Ordinance

UGGO

Significance of Geography

The systematic and intensive study of Geography is significant because of following factors.

1. Since Geography is study of time and space, it provides applied knowledge to understand the physical social and economic realities in ever-changing time and space.
2. Without knowing geography the general knowledge in incomplete, which in essential for Various competitive examinations.
3. Geography provides a background for the regional planning in development which in conducive for sustainable development.
4. The modern techniques of Geographical analysis such as Remote Sensing. GIS, GPS etc. are helpful in Resource and Environmental Management and Disaster Management.
5. Geography provide an opportunity of employment in various fields,
   The important are:
   a. Teaching and Research;
   b. Town Planning Departments; an country.
   c. National Atlas and Thematic Mapping Organization.
   d. Regional Planning;
   e. Remote Sensing; and G.I.S
   f. Statistical Departments;
   g. Urban/Rural/Agricultural Planning;
   h. Water Resource Departments;
   i. Demographic Study and census.
   j. Survey of India.
   k. Administrative Services- Central and State Governments.
   l. Environment and development.

UGGO (GEOGRAPHY)
SCHEME OF EXAMINATION

Each Theory Paper 3 Hrs. duration **Max. Marks : 100 Marks**

Dissertation/Thesis/Survey Report/ Field work, if any 100 marks

1. The number of paper and the maximum marks for each paper, practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the Assignment part (wherever prescribed) of a subject/Paper separately.
2. A candidate for a pass at each of the Previous and the Final Examination shall be required to obtain (i) at least 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination. No division will be awarded at the Previous Examination; Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examination taken together, as noted below:

The evaluation system of the programme will be based on two components:
(a). Continuous evaluation in the form of periodic assignments, mid-term tests etc., with a weightage of 30%.
(b). Semester-end examination, with a weight age of 70%.

The division shall be awarded to a successful candidate at the end of his examination On the basis of their aggregate marks in all papers/courses as per following break-up.

First Division	60% or above
Second Division	48% or more but less than 60%
Third Division	36% or more but less than 48%

Each course will carry 100 marks out of which the written paper shall consist of 70 marks and 30 marks shall be allotted for the candidate's performance in the seasonal works, i.e. mid-term tests, assignments etc. To pass, the candidate must obtain a minimum of 36% marks in each course of study, practical and project examination separately. A candidate is required to pass both in Assignments and Term-end examination individually. The candidate having marks less than aggregate 36% shall be declared as 'failed'.

UGGO

स्नातक भूगोल

स्नातक भूगोल कार्यक्रम (बी.ए.)(UGGOProgramme) (B.A.)

कार्यक्रम कोड / Programme Code	: 101	कार्यक्रम अवधि (वर्षो में)	: न्यूनतम : 3 अधिकतम : 6
कार्यक्रम माध्यम / Medium of Instruction	: हिन्दी / Eng.	Programme Duration (in yrs.)	: Minimum : 3 Maximum : 6
प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता / Minimum Qualification for Admission	: 10+2	कार्यक्रम शुल्क प्रतिवर्ष / Programme Fee Per Year	: 4000+100/-
		अधिन्यास कार्य / Assignment Work:-	: आवश्यक / Essential

स्नातक भूगोलUGGO

Year/वर्ष	Course Code/ पाठ्यक्रम कोड	Title of Course/ पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits/ क्रेडिट	Compulsory/ Elective अनिवार्य/वैकल्पिक
Complusary Core Course/विषय केन्द्रित अनिवार्य पाठ्यक्रम				
1st Sem.	UGGO-101	भौतिक भूगोल	4	अनिवार्य
2nd Sem.	UGGO-102	मानचित्र कला	4	अनिवार्य
3rd Sem.	UGGO-103	भारत का भूगोल	4	अनिवार्य
4th Sem.	UGGO-104	मानव भूगोल	4	अनिवार्य
Discipline Centric Elective Course/विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम				
5th Sem.	DCEGO-101 Or DCEGO-102	आर्थिक भूगोल अथवा भौगोलिक चिन्तन का क्रमविकास	4 or 4	वैकल्पिक
6th Sem.	DCEGO-103 Or DCEGO-104	विश्व का प्रादेशिक भूगोल अथवा पर्यावरण भूगोल	4 Or 4	वैकल्पिक
Ability Enhancement Compulsory Course (Toatal Credits:8)				
1st Sem.	AECEG Or AECHD	Ability Enhancement course in English Or Ability Enhancement course in Hindi	4 Or 4	वैकल्पिक
2nd Sem.	AECEA	Ability Enhancement course in Environment Awareness	4	अनिवार्य
Skill Enhancement Course (Total Credits: 16)				
3rd Sem.	SES&T- 01	Skill Enhancement Course on Science & Technology	4	अनिवार्य
4th Sem.	SEIC & T - 02	Skill Enhancement Course on Indian Culture & Tourism	4	अनिवार्य
5th Sem.	SESP - 03	Skill Enhancement Course on Secretarial Practices	4	अनिवार्य
6th Sem.	SEINS-04	Skill Enhancement Course on Insurance	4	अनिवार्य
Open Elective (Total Credits:8)				
5th Sem.	OEODL Or OEIT	Open Elective course in Open & Distance Learning or Open Elective course in Information Technology	4 or 4	वैकल्पिक or वैकल्पिक
6th Sem.	OECNC Or OEDM	Open Elective course in Nutrition for Community Open Elective course in Disaster Management	4 Or 4 4	वैकल्पिक or वैकल्पिक

UGGO-101 भौतिक भूगोल

खण्ड 1- स्थल मण्डल

इकाई1 भौतिक भूगोल की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र, पृथ्वी की उत्पत्ति, पृथ्वी की आन्तरिक संरचना,

इकाई 2भूपटल परिवर्तनकारी शक्तियाँ, महाद्वीप एवं महासागरों की उत्पत्ति के सिद्धान्त

इकाई3 भू सन्तुलन की संकल्पना, ज्वालामुखी एवं भूकम्प तथा उनसे उत्पन्न भूआकृतियाँ, चट्टान एवं उनका वर्गीकरण

इकाई4अपवाह प्रणाली एवं अपवाह प्रतिरूप, अपरदन एवं उसके कारक एवं उनसे निर्मित भू आकृतियाँ– नदी, पवन, हिमानी एवं भूमिगत जल।

खण्ड 2- वायुमण्डल

इकाई5 वायुमण्डल का संगठन एवं स्तरीकरण, सूर्यातप एवं तापमान

इकाई6 वायुदाब – प्रभावित करने वाले कारण एवं वितरण, स्थायी एवं स्थानीय हवाएं,

इकाई7 वायुराशि चक्रवात एवं प्रति चक्रवात आर्द्रता तथा वर्षा के प्रकार एवं वितरण,

इकाई8 जलवायु का वर्गीकरण एवं विश्व के जलवायु प्रदेश।

खण्ड 3- जल मण्डल

इकाई9 महासागरीय नितल, महासागरीय जल के तापमान एवं लवणता का वितरण एवं प्रभावित करने वाले कारक,

इकाई10 महासागरीय जल धाराएं – उत्पत्ति के कारण एवं विभिन्न महासागरों (अन्धमहासागर,़शान्त एवं हिन्द महासागर) में वितरण प्रतिरूप

इकाई11 ज्वार–भाटा– उत्पत्ति, वर्गीकरण, उत्पत्ति के सिद्वान्त, प्रवाल भित्तियॉ– प्रवाल विकास की भौगोलिक परिस्थितियॉ, वर्गीकरण, उत्पत्ति के सिद्वान्त

खण्ड 4- जैव मण्डल

इकाई12 जीव मण्डल – जैव मण्डल का अभिप्राय, पर्यावरण एवं जीव मण्डल, जीव मण्डल के तत्व

इकाई 13 वनस्पति अनुक्रम, पादप एवं जन्तुओं का उदभव विकास

इकाई14 जन्तु प्रजनन एवं प्रकार एवं उनके साधन एवं विधियाँ, विश्व के जन्तु भौगोलिक प्रदेश।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- प्रोफेसर जगदीश सिंह– भौतिक भूगोल,ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
- डॉ. सविन्द्र सिंह –भौतिक भूगोल प्रवालिका प्रकाशन प्रयागराज
- डी.एस. लाल – भौतिक भूगोल, शारदा प्रकाशन, प्रयागराज
- Arthur Strahler - Introduction to Physical Geography , John Wily & Son's
- Geography : A Integral Approach- David Waugh.

UGGO-102 मानचित्र कला

खण्ड–01 मानचित्र परिचय एवं मापनी

इकाई 1 मापनी – परिभाषा एवं प्रकार,साधारण मापक, तुलनात्मक मापक–रचना एवं विशेषताएं।

इकाई 2विकर्ण मापनी–रचना एवं विशेषताएं, वर्नियर मापनी–रचना एवं उनकी विशेषताएं।

खण्ड–02 भूगोल के अध्ययन की विधिया एंव भू–आकृतियों का प्रदर्शन

इकाई 3भूगोल के अध्ययन की विधिया– मानचित्र एवं मानचित्रण, मानचित्र का इतिहास एवं आवश्यकता।

इकाई 4आधुनिक विधियॉ, दूरस्थ संवेदन, हवाई छायाचित्र की व्याख्या, कम्प्यूटर मानचित्रण।

इकाई5 समोच्च रेखा द्वारा भू–आकृतियों का प्रर्दशन, पहाड़ी, कटक, पर्वत, पठार, टेकरी, स्कन्ध, कगार, वी आकार घाटी, जल प्रपात,, यू आकार घाटी– रचना एवं विशेषताएं।

खण्ड–03 भू–पत्रक

इकाई6– भू–पत्रक का महत्व, निर्माण का इतिहास, भारत में भू–पत्रक का निर्माण।

इकाई 7 – भू–पत्रक का अध्ययन, मैदानी क्षेत्र, पर्वतीय क्षेत्र, पठारी क्षेत्र एवं तटीय क्षेत्र।

इकाई8– स्थालाकृति मानचित्र हेतु परम्परागत चित्र चिन्ह्,

खण्ड–04 मौसम मानचित्र

इकाई9– मौसम एवं जलवायु, मौसम मानचित्र की परिभाषा।

इकाई10 –मौसमी दशाओं को प्रदर्शित करने वाले प्रतीक।

इकाई11–भारत में ग्रीष्मकाल, शीतकाल एवं वर्षाकाल के मौसम मानचित्रों का अध्ययन।

खण्ड 03 सांख्यिकी आकड़ों का प्रर्दशन

इकाई12 सामान्य दण्ड आरेख– रचना एवं विशेषताएं, मिश्रित दण्ड आरेख–रचना एवं विशेषताएं।

इकाई13 पिरामिड आरेख, चक्रारेख–निर्माण एवं विशेषताएं, वृत्त आरेख।

इकाई14 .जनसंख्या वितरण मानचित्र– बिन्दु विधि एवं छाया विधि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

- डॉ. एल.आर सिंह – प्रायोगिक भूगोल के सिद्वान्त, शारदा पब्लिकेशन, प्रयागराज
- प्रो. आर.एल. सिंह –Elements of Practical Geography कल्याणी पब्लिकेशन, वाराणसी
- प्रो. हीरा लाल–प्रयोगात्मक भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन गोरखपुर
- डॉ. आर.सी. तिवारी – अभिनव प्रयोगात्मक भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन, प्रयागराज
- प्रो. के.एन. सिंह – प्रायोगिक भूगोल के मूलतत्व, ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर

UGGO-103 भारत का भूगोल

खण्ड 1- सामान्य परिचय

इकाई1 नामकरण, स्थिति एवं विस्तार, भारत का भू राजनीतिक महत्व
इकाई2 विश्व एवं एशिया के सन्दर्भ में आधुनिक भारत
इकाई3 राज्य पुनर्गठन, भौगोलिक व्यक्तित्व

खण्ड 2- भौतिक पर्यावरण एवं भारत में कृषि

इकाई 4 उच्चावच एवं भौतिक प्रदेश, अपवाह तंत्र एवं अपवाह प्रणाली,

इकाई 5 मिट्टियों का वर्गीकरण एवं वितरण, जलवायु एवं जलवायु प्रदेश,

इकाई 6 वनस्पतिक प्रदेश,भारत में कृषि एवं प्रमुख फसलें– गेहूँ, चावल, गन्ना,

इकाई 7 कपास, चाय एवं दलहन का उत्पादन एवं वितरणभारत में हरित क्रान्ति, भारत में हरित क्रान्ति

खण्ड 3- भारत में खनिज एवं ऊर्जा स्त्रोत

इकाई8 लौह अयस्क – उत्पादन एवं वितरण,अभ्रक – उत्पादन एवं वितरण,

इकाई9 बाक्साइट– उत्पादन एवं वितरण, मैग्नीज– उत्पादन एवं वितरण

इकाई10 पेट्रोलियम, कोयला, जल विद्युत, आणुविक ऊर्जा

इकाई11 भारत में जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या विस्फोट, जनसंख्या वितरण तथा उनको प्रभावित करने वाले कारक

इकाई 12 भारत में जनसंख्या की आयु वर्ग संरचना, नगरीकरण

खण्ड 4- भारत में औद्योगिकरण, परिवहन एवं व्यपार

इकाई13 प्रमुख उद्योग–लौह–इस्पात उद्योग, वस्त्र उद्योग, चीनी उद्योग, कागज उद्योग,

इकाई14 औद्योगिक प्रदेश, भारत में परिवहन– रेल परिवहन, सड़क परिवहन, जल परिवहन,

इकाई 15 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रवृत्तियॉ एवं प्रतिरूप

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- प्रोफेसर जगदीश सिंह, – भारत, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
- प्रोफेसर आर.सी. तिवारी – भारत का भूगोल प्रवालिका पब्लिकेशन्स, इलाहाबाद
- डॉ. अलका गौतम – भारत का बृहद भूगोल
- Prof. R.L. Singh, B.H.U. –India: A Regional Geography, National Geographical Society of India, Varanasi
- M. Hussain: Geography Of India, Tata McGraw Hill Education, New Delhi.
- J.Singh– India : A Comprehensive and Systematic Geography

UGGO-104मानव भूगोल

खण्ड 1- मानव भूगोल का परिचय, उपागम एवं सिद्वान्त

इकाई1- मानव भूगोल : अर्थ, विषय क्षेत्र, उपागम एवं विकास,

इकाई 2- मानव भूगोल के अध्ययन के उपागम– ऐतिहासिक, पारिस्थितिकी आचारपरक, कल्याणपरक उपागम

इकाई 3- मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त – सार्वभौमिक एकता का सिद्धान्त, क्रियाशीलता का सिद्धान्त, वातावरण मानव अन्तर्सम्बन्ध का सिद्धान्त

इकाई4- नियतिवाद, सम्भवादवाद, नवनियतिवाद, जर्मन योगदान, फ्रांसीसी, ब्रिटिश, अमेरिकी योगदान।

खण्ड 2- प्रजाति एवं जनजाति

इकाई5- मानव एवं विशिष्ट जीवन पद्धति का विकास

इकाई 6- मानव प्रजातियाँ– उद्भव, आस्ट्रेलोपिथेसियन, होमोहैबिलिस, पिथेकान्थ्रोपस, होमोइरेक्टस, होमोसेपियन, नियान्डरटालिस, होमोसेपिन्यन्स, सेपियन,

इकाई7- प्रजाति संकल्पना, प्रजातियों का वर्गीकरण, कद, नासिका, आकृति,, त्वचावर्ण, कापालिक परिमिति, विश्व की प्रजातियाँ

इकाई8- विश्व की प्रमुख जनजातियाँ– सेमांग, एस्किमो, बद्दू, बुशमैन, मसाई, किरगीज

खण्ड 3- जनसंख्या

इकाई9- जनसंख्याः वितरण प्रतिरूप एवं संसाधन अन्तर्सम्बन्ध महत्व

इकाई10- विश्व जनसंख्या वितरण प्रतिरूप– अधिक जनसंख्या वाले, मध्यम जनसंख्या, जनरिक्त क्षेत्र, जनसंख्या घनत्व,

इकाई11- जनसंख्या के असमान वितरण के कारक, प्राकृतिक तत्व, संसाधन आधार, प्रवजन–आव्रजन, राजनीतिक, पूर्वी एशिया, द0 पू0 एशिया,

इकाई 12- जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त, माल्थस, नव माल्थस, ऐतिहासिक, जननांकीकिय संक्रमण सिद्धान्त, सामाजिक–सांस्कृतिक सिद्धान्त।

खण्ड 4- मानव अधिवास

इकाई13- मानव अधिवास– अधिवास की परिभाषा, अधिवास के तत्व,

इकाई 14- अधिवास का वर्गीकरण, ग्राम एवं नगर, बस्तियों के प्रकार, प्रविकीर्ण बस्तियाँ, सामूहिक अधिवास, भारतीय गाँव,

इकाई15- नगरीकरण का विश्व प्रतिरूप, नगरीकरण का प्रभाव, नगरों की उत्पत्ति एवं विकास के कारण, नगरों का वर्गीकरण।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

- प्रो. जगदीश सिंह–मानव भूगोल, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
- डॉ. एस.डी. मौर्य – मानव भूगोल शारदा पब्लिकेशन, प्रयागराज
- प्रो. माजिद हुसैन – मानव भूगोल, रावत पब्लिकेशन, जयपुर
- Chisholm, M. Human Geography. Penguin Books, London
- De Blij, H.J. Human Geography: Culture, Society and space, John Wiley and Sons, New York.
- Spencer, J.E. and Thoma, W.L. Jr. Cultural Geography: An Evolutionary Introduction to Our Humanized Earth, Wiley, New York.

DCEGO-101 आर्थिक भूगोल

खण्ड 1- आर्थिक भूगोल का परिचय

इकाई1- आर्थिक भूगोलः परिभाषा एवं विषय क्षेत्र, प्राथमिक उत्पादन, द्वितीयक उत्पादन, तृतीय उत्पादन, आर्थिक भूगोल का क्रम विकास– प्रारम्भिक युग, अर्न्तयुद्व काल, युद्वोत्तर काल

इकाई 2- आर्थिक भूगोल एवं अर्थशास्त्र, अध्ययन के उपागम– सामान्य विषय वस्तु, प्रादेशिक उपागम, सैद्वान्तिक उपागम, आर्थिक भूगोल के अध्ययन की विधियॉ,

इकाई 3- संसाधन की संकल्पना, मानव संसाधन– जनसंख्या, शिक्षा एवं संस्कृति

इकाई 4- प्राकृतिक संसाधन– प्राकृतिक संसाधनों का बहुपक्षीय वर्गीकरण, संसाधन उपयोग को प्रभावित करने वाले कारक, संसाधन संरक्षण का अर्थ, आवश्यकता एवं नियम

खण्ड 2- विश्व में खनिज एवं ऊर्जा स्त्रोत

इकाई5- खनिज संसाधन– खनिजों का महत्व एवं उपयोग, खनिजो के प्रकार– धात्विक एवं अधात्विक खनिज

इकाई6- विभिन्न खनिजों का विश्व में वितरण, उत्पादन एवं व्यापार प्रतिरूप– लौह अयस्क, मैगनीज, तांबा, बाक्साइट

इकाई7- ऊर्जा तथा शक्ति के संसाधन, वितरण एवं उत्पादन प्रतिरूप– कोयला, जल विद्युत, ऊर्जा के संभाव्य स्त्रोत, परमाणु ऊर्जा, सौर ऊर्जा

खण्ड 3- मिटटी संसाधन एवं कृषि

इकाई 8- मिट्टी संसाधन– मिट्टी के तत्वः मिट्टी के कारक, वर्गीकरण एवं वितरण,

इकाई 9- विश्व में फसलों का उत्पादन– वितरण प्रतिरूप एवं प्रभावित करने वाली भौगोलिक दशाऍ– चावल, मक्का, गन्ना, चाय एवं कहवॉ, कपास,

इकाई10- विश्व के कृषि प्रदेश एवं उनकी विशेषताऍ

खण्ड 4- उद्योग एवं व्यापार

इकाई11- वस्तु निर्माण उद्योग– स्थानीयकरण के कारक, वेबर का सिद्वान्त,
विश्व में लौह–इस्पात उद्योग– उत्पादन एवं वितरण, विश्व में वस्त्र उद्योग– उत्पादन एवं वितरण,

इकाई12- औद्योगिक प्रदेश की परिभाषा एवं विशेषताऍः पश्चिमी यूरोप एवं पूर्वी यूरोप, जापान के औद्योगिक प्रदेश

इकाई13- विश्व के प्रमुख सामुद्रिक जलमार्ग, विश्व के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन

इकाई14- यूरोपीय समुदाय, नाफ्टा, कामेकाम, एशियान, साफ्टा, लैटिन अमेरिका मुक्त व्यापार संगठन

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- प्रो. जगदीश सिंह–आर्थिक भूगोल, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
- डॉ. एस.डी. मौर्य – आर्थिक भूगोल शारदा पब्लिकेशन, प्रयागराज
- Hartshorn, T.A. and Alexander, J.W. Economic Geography, Prentice Hall Inc. Pvt. Ltd. New Delhi.
- Anderson, W.P. Economic Geography,Routledge, London and New Yark.
- Mackinnon, D. and Cumber, A. Introducation to Economic Geography of the World Economy, Routledge, London and New York.
- Combes, P. Mayer, T. and Thisse, J.F. Economic Geography: The Integration of Regions and Nations, Princeton Univrsity press, New Jersey.

DCEGO- 102 भौगोलिक चिन्तन का क्रम विकास

खण्ड 1- प्राचीन काल में भूगोल

इकाई 1- प्राचीन काल में भूगोल – प्राचीन भारत में भूगोल, प्रभाव, अवधारणाएं,

इकाई2- प्रादेशिक भूगोल, यूनान एवं रोम साम्राज्य में भूगोल

इकाई3- भारतीय एवं ग्रीक– रोमन भूगोल विद्वानों के योगदान की तुलना, अरब भूगोल वेत्ताओं का योगदान

इकाई4- पुनर्जागरण काल में भूगोल की प्रगति, भौगोलिक यात्राएँ– कोलम्बस, वास्को–डि–गामा, मैंगलेन

खण्ड 2- जर्मन सम्प्रदाय

इकाई5- वैज्ञानिक भू–अन्वेषण एवं ज्ञानोदय काल में भूगोल– वैज्ञानिक प्रगति, विशुद्ध भूगोल सम्प्रदायः

इकाई6- भूगोल का दार्शनिक आधार, काण्ट, आधुनिक भूगोल का जर्मन सम्प्रदाय– हम्बोल्ट एवं रिटर की कृतियाँ एवं संकल्पनाएं,

इकाई7- द्वैतवाद, हेटनर की कृतियाँ एवं संकल्पनाएं।

खण्ड 3- फ्रांसीसी, अमेरिकन एवं ब्रिट्रिश भूगोलवेत्ता

इकाई8- भूगोल का फ्रांसीसी सम्प्रदाय– ब्लास, ब्रूंश एवं डेमांजिया की कृतियाँ एवं संकल्पनाएं

इकाई9- आंग्ल अमेरिकी संम्प्रदाय – संयुक्त राज्य अमेरिका में भूगोल का प्रारम्भ, डेविस की कृतियाँ एवं योगदान,

इकाई10- सेम्पुल – कृतियाँ एवं योगदान, हंटिग्न– कृतियाँ एवं योगदान

इकाई11- ग्रेट ब्रिटेन में भूगोल– मैकिण्डर एवं स्टाम्प, रूस में भूगोल की प्रगति।

खण्ड 4- भारत में भूगोल की प्रगति तथा भूगोल की प्रकृति

इकाई12- भारत में भूगोल की प्रगति– पृष्ठभूमि, शिक्षण विस्तार, भौगोलिक शोध

इकाई13- अभिनव प्रवृत्तियाँ, भूगोल की प्रकृति– पृथ्वी तक का विज्ञान, विभिन्नताओं में अन्तर्सम्बन्ध, प्रादेशिक विशिष्टता का निरूपण

इकाई 14- भूगोल का वैज्ञानिक स्वरूप एवं अन्य विषयों से सम्बन्ध।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- प्रो. जगदीश सिंह–भौगोलिक चिन्तन का क्रम विकास ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
- डॉ. देवेन्द्र प्रसाद सिंह – भौगोलिक चिन्तन की समीक्षा, शारदा पब्लिकेशन, प्रयागराज
- Dicbinron, RE ‘ The makers of Modern Geography.
- Hartshorne, R- The Nature of Geography.
- Harvey.D. Explanations in Geography, edvard Arnold London.
- Chorley. R.J, Direction in Geography, Methuen, London

DCEGO- 103विश्व का प्रादेशिक भूगोल

खण्ड 1 विश्व का प्रादेशिक भूगोल

इकाई–1 प्रदेश की संकल्पना एवं प्रादेशीकरण

इकाई–2 प्रदेश के प्रकार एवं विशेषताएं

इकाई–3 विश्व में परम्परागत उर्जा संसाधन–वितरण एवं उत्पादन कोयला एवं पेट्रोल

इकाई–4 विश्व के संसाधन प्रदेश

खण्ड 2

इकाई–5 विश्व का त्रिपक्षीय विभाजन – प्रथम विश्व, द्वितीय विश्व एवं तृतीय विश्व

इकाई–6 मानव विकास सूचकांक– आधार एवं विश्व प्रतिरूप

इकाई–7 विश्व के प्राकृतिक प्रदेश– आधार, वितरण एवं विशेषताएं

इकाई–8 मानसून एशिया – स्थिति एवं विशिष्टतांए

खण्ड 3

इकाई–9 यू.एस.ए.– भौतिक प्रदेश, कृषि प्रदेश एवं औद्योगिक प्रदेश

इकाई–10 ब्राजील– भौतिक पर्यावरण, जनसंख्या, संसाधन आधार कृषि प्रदेश

इकाई–11 मिश्र– भौतिक पर्यावरण, जनसंख्या एवं कृषि प्रदेश

खण्ड 4

इकाई–12 जापान– प्राकृति संसाधन आधार कृषि एवं औद्योगिक प्रदेश

इकाई–13 विश्व में उर्जा संकट एवं हरित उर्जा

इकाई–14 विश्व में प्रमुख संगठन– ब्रिक्स, एशियान, सार्क, जी–7

DCEGO- 104 पर्यावरण भूगोल

खण्ड 01–पर्यावरण

इकाई 01– पर्यावरण : अवधारणा, संघटक एवं प्रकार
इकाई 02– पारिस्थितिकी : अवधारणा, प्रकार एव सिद्धान्त।
इकाई 03– पारिस्थितिक तंत्र : अवधारणा, संघटक, कार्यशीलता एवं स्थिरता।
इकाई 04– विश्व के प्रमुख पारिस्थितिक तंत्र।

खण्ड 02–प्राकृतिक संसाधन

इकाई01– प्राकृतिक संसाधन : अवधारणा, वर्गीकरण एवं संरक्षण के सिद्धान्त।
इकाई 02– जैव संसाधन
इकाई 03–जल संसाधन, मृदा संसाधन , ऊर्जा संसाधन
इकाई 04– खनिज संसाधन – उत्पादन, उपयोग एवं संरक्षण

खण्ड 03–प्राकृतिक आपदा

इकाई 01– प्राकृतिक आपदा : अवधारणा एवं प्रकार, प्रमुख प्राकृतिक आपदायें ,
इकाई 02– जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण
इकाई 03– ठोस अपशिष्ट, प्रदूषण एवं प्रबन्धन ।
इकाई 04– पर्यावरण गुणता प्रबन्धन, पर्यावरण संबंधी विधान, पर्यावरण प्रबन्धन में समानताएँ और असमानताएँ।

खण्ड 04–जनसंख्या एवं पर्यावरण

इकाई 01– जनसंख्या वृद्धि एवं पर्यावरणः विश्व जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण ।
इकाई 02–भारत में जनंसख्या वृद्धि एवं सामाजिक–आर्थिक संरचना।
इकाई 03– जनसंख्या वृद्धि एवं घनत्व के पर्यावरणीय प्रभाव।
इकाई 04–पर्यावरण एवं स्वास्थ्य, जन जीवन पर पर्यावरणीय दुर्घटनाओं के प्रभाव।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- पर्यावरण अध्ययन